बुधवार
10 मई, 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

156 वर्ष पुराना है डुमरांव नप का इतिहास
अंग्रेज करते थे चेयरमैन की नियुक्ति 3

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

मध्यप्रदेश में पुल से 50 फीट नीचे गिरी बस, 25 लोगों की मौत

- खरगोन जिले के ग्राम टांडा बरुड़ के पास सुबह 8.30 बजे हुआ भीषण हादसा
- 30 से ज्यादा लोग घायल, खरगोन जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

एजेंसी/इंदौर

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के ग्राम टांडा बरुड़ के पास श्रीखंडी गांव से इंदौर की ओर जा रही बस मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे डोंगरगांव व दंसगा के बीच बोराड़ नदी के पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर गई। बताया जा रहा है बस पुल की रांग साइड की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 50 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में 25 लोगों की मौत हुई है। 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। घायलों को डोंगरगांव प्राथमिक उपचार के बाद खरगोन जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मृतकों में दो बच्चे और छह महिलाएं और अन्य पुरुष शामिल हैं। प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने आरटीओ बरखा गोंड को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

ओवरलोड होकर गुजरती हैं बसें

जैसे ही हादसे की सूचना लोगों को लगी, मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने घायलों के बस के कांच फोड़कर बाहर निकाला। पलटी हुई बस को सीधा किया। मौके पर एसपी, कलेक्टर, एसडीओपी और प्रतिनिधि पहुंचे। विधायक रवि जोशी से ग्रामीणों से चर्चा में कहा कि यहां से रोजाना बसें ओवरलोड होकर तेज रफ्तार में गुजरती हैं, ग्रामीणों के रोकने-टोकने पर बस वाले विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि बस वाले टाइम कवर करने के चक्कर में यात्रियों की जान जोखिम में डालते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रोड तो अच्छा है, लेकिन घुमावदार है और पुल, पुलिया भी घुमावदार और अंधे मोड़ों के पास है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बस हादसे पर जताया दुख

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने ट्वीट कर बस हादसे पर दुख जताया, उन्होंने लिखा खरगोन में हुए बस हादसे में कई लोगों के हताहत होने की खबर से मुझे अत्यंत दुख हुआ है। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा, खरगोन में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन मौके पर हरसंभव मदद में जुटा है।

मृतक के परिजनों को 6 लाख की आर्थिक मदद

मध्य प्रदेश सरकार खरगोन बस हादसे में मृत हुए लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। गंभीर घायलों को 50 हजार और अन्य घायलों को 25 हजार रुपये की मदद दी जाएगी, सभी घायलों का इलाज सरकार करवाएगी। सरकार ने बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। वहीं प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सीपीआर तकनीक से बचाने की कोशिश की: सेगांव के स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ पारस पाटीदार भी मौके पर पहुंचे और घायलों को देखते ही सीपीआर तकनीक के माध्यम से उनकी जान बचाने की कोशिश की। हादसे के बाद ग्रामीण भी तत्काल मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस का इंतजार न करते हुए अपने-अपने वाहनों से तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

मोतिहारी में पुलिस के साथ मुठभेड़ में चार बदमाश घायल

- बैंक डकैती करने वाले बदमाशों के चकिया थाना क्षेत्र में होने की पुलिस को मिली थी सूचना
- मुठभेड़ में घायल चारों बदमाशों का चकिया रेफरल अस्पताल में चल रहा इलाज

केटी न्यूज/मोतिहारी

चकिया थाना क्षेत्र के चकिया मधुबन रोड में सोमवार की रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में चार बदमाशों को गोली लगी है। पुलिस ने सभी बदमाशों को हिरासत में लेकर इलाज के लिए चकिया रेफरल अस्पताल भेज दिया। चारों बदमाशों की स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस को सूचना मिली थी कि विगत सप्ताह में हुई बैंक डकैती करने वाले बदमाश चकिया थाना क्षेत्र में पहुंचे हुए हैं। पुलिस सूचना मिलने के बाद एक्शन में आ गइ। पुलिस ने पूरे इलाका का घेराबंदी कर बैंक डकैती अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए तलाश में जुट गई। इस दौरान पुलिस को देख छुपे बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, पुलिस ने जवाबी करवाई करते हुए काउंटर फायरिंग की।

इस मामले को लेकर मोतिहारी पुलिस अधीक्षक कांतिश कुमार मिश्रा ने बताया कि चकिया क्षेत्र में बैंक से 48 लाख रुपए की लूट में शामिल बदमाशों के छुपे होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर गिरफ्तार करने पहुंची तो बदमाशों ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इस कार्रवाई में बदमाशों को गोली लगी।

खबरें फटाफट

उप्र नगर निकाय चुनाव के लिए कल डाले जाएंगे वोट

लखनऊ। 11 मई को उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में होने जा रहे नगर निकाय चुनाव में दूसरे चरण का प्रचार मंगलवार शाम छह बजे थम गया। जहां एक ओर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी तैयारियां तेज कर ली हैं, वहीं चुनाव प्रेक्षकों ने भी जिलों में जाकर कमान संभाल ली है। दूसरे चरण का चुनाव 11 मई को होगा। यह चुनाव सात नगर निगमों, 590 नगर निगम वार्डों पर कराया जा रहा है। साथ ही 95 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, 2551 सदस्य नगर पालिका परिषद वार्ड, 268 अध्यक्ष नगर पंचायत एवं 3495 सदस्य नगर पंचायत पद के लिए होगा। कुल 370 निकायों एवं 6636 वार्डों में 7006 पदों पर यह निर्वाचन कराया जा रहा है।

'द केरला स्टोरी को बिहार में टैक्स फ्री करने की मांग

पटना। फिल्म 'द केरला स्टोरी' का कई राज्यों में विरोध हो रहा है तो वहीं इसे यूपी में टैक्स फ्री कर दिया गया है। मंगलवार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर फिल्म को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री करने की बात कही है। इसी के तर्ज पर फिल्म को बिहार में टैक्स फ्री करने की मांग बीजेपी ने की है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को ट्वीट कर बिहार सरकार से मांग की है कि इसे यहां भी टैक्स फ्री कर दिया जाए।

सियासत: ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से मिले बिहार के सीएम

नीतीश बोले... ओड़िशा घूमने आए हैं, गठबंधन पर कोई बात नहीं हुई

- विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए अलग-अलग नेताओं से मिल रहे नीतीश कुमार
- पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव से कर चुके हैं भेंट

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता को एकजुट करने के लिए अलग-अलग नेताओं से मिल रहे हैं। मकसद एक ही कि किस तरह सबको एक साथ लाया जाए और पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ 2024 में लड़ाई लड़ी जाए। नीतीश कुमार ने हाल ही में दिल्ली में मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात की थी। कांग्रेस से नीतीश कुमार को जिम्मेदारी दी गई थी कि जिनका सीधे तौर पर कांग्रेस पार्टी से नाता नहीं है उनके साथ वह बातचीत करें। सहमति के बारे में बात करें। इसी को लेकर मंगलवार को वे ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से मिले।

इसके पहले पांच मई को ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से नीतीश कुमार मिलने वाले थे, लेकिन समय नहीं मिलने के चलते यह मुलाकात स्थगित हो गई थी। इसके बाद मंगलवार को उन्होंने भुवनेश्वर में मुलाकात की है। इसके पहले नीतीश कुमार ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से और उसी दिन उन्होंने यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव से भी मुलाकात की थी।

नवीन पटनायक बोले... नीतीश से मिलकर अच्छा लगा

नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद नवीन पटनायक ने ट्विटर पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- बिहार के सीएम नीतीश कुमार से भुवनेश्वर में मिलकर अच्छा लगा। बिहार और सभी पड़ोसी राज्यों के साथ ओडिशा का अच्छा संबंध है। उम्मीद है कि नीतीश कुमार का ओडिशा आना सुखद और फायदेमंद रहा होगा। नीतीश कुमार ने कहा कि गठबंधन के मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई है। नीतीश ने कहा कि उन दोनों के रिश्ते पुराने हैं। कोई पॉलिटिकल चर्चा नहीं हुई है। कहा कि ओडिशा में बहुत सारे लोग घूमने के लिए आते हैं इसलिए वो भी चले आए हैं। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार की इस मुलाकात में एक बात और सामने आ रही है कि नवीन पटनायक के बारे में कहा जा रहा था कि वह किसी भी धारे में नहीं जाएंगे। क्योंकि उनके संबंध सभी पार्टी के नेताओं से अच्छे हैं। बता दें कि नीतीश कुमार मुंबई भी जाने वाले हैं। वहां शरद पवार और उद्धव ठाकरे से उनकी मुलाकात होने वाली है। चर्चा है कि 11 मई को नीतीश कुमार मुंबई जा सकते हैं।

जातीय जनगणना को लेकर दाखिल सरकार की याचिका खारिज

पटना। बिहार में जातीय जनगणना को लेकर हाईकोर्ट में दाखिल नीतीश सरकार की याचिका को खारिज कर दिया गया है। कोर्ट में सरकार ने जल्द सुनवाई के लिए यह याचिका दायर की गई थी। इससे पहले, गणना पर 4 मई को पटना हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। बिहार सरकार ने अपनी याचिका में मांग की थी कि इस पर जल्द सुनवाई की जाए। उधर, हाईकोर्ट ने रोक लगाते हुए कहा था कि अब तक जो डेटा कलेक्ट हुआ है, उसे नष्ट ना किया जाए। अब पहले से ही तय तिथि के अनुसार, 3 जुलाई को मामले पर सुनवाई होगी। वहीं, डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि कोर्ट के फैसले के आधार पर चर्चा की जाएगी। हमारी सरकार गणना को प्रति प्रतिबद्ध है। महागठबंधन सरकार के अधिकतर नेता दावा कर रहे हैं कि भाजपा जाति आधारित गणना को रोकने की कोशिश कर रही है।

आनंद मोहन का फैसला कोर्ट करेगा: नीतीश कुमार ने आनंद मोहन के मामले पर कहा कि किसी को भी सजा होती है तो उसकी रिहाई होती है। अच्छा बर्ताव देखकर उसे छोड़ भी जाता है। सिर्फ आनंद मोहन को लेकर क्यों सोचते हैं पूरे देश के केस उठाकर देखिए।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गिरफ्तार, विरोध में जगह-जगह आगजनी

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अर्धसैनिक बलों ने उस वक्त गिरफ्तार कर लिया, जब वह भ्रष्टाचार के एक मामले में सुनवाई के लिये इस्लामाबाद हाईकोर्ट में मौजूद थे। इससे एक दिन पहले ही खान ने देश की सेना पर कथित तौर पर उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। टीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि रेंजर खान को कॉलर से पकड़कर ले जा रहे हैं और उन्हें कैदी वाहन में बैठाया जा रहा है। इधर इमरान की पार्टी पीटीआई ने गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया और अगवा करने का आरोप लगाया।

इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान की स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। पीटीआई कार्यकर्ता और समर्थक पूरे पाकिस्तान में हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ में उतर गये हैं। इस बीच पीटीआई ने दावा किया है कि पुलिस कार्रवाई में एक लड़के की मौत हो गयी है, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में धारा 144 लागू कर दिया गया है। पाक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने लाहौर में सेना के कमांडरों के आवास और रावलपिंडी में सेना मुख्यालय के परिसर में प्रवेश किया।

हाल ही में हुए सेना के कमांडरों के सम्मेलन में लिया गया फैसला, एक अगस्त से होगा बदलाव

ब्रिगेडियर व उससे ऊपर रैंक के अफसरों की एक जैसी होगी वर्दी

एजेंसी/नई दिल्ली

अब इंडियन आर्मी में मूल कैडर और नियुक्ति के बावजूद ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए एक जैसी यूनिफॉर्म लाने का फैसला किया गया है। सूत्रों का कहना है कि हाल ही में संपन्न सेना के कमांडरों के सम्मेलन के दौरान विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह फैसला लिया गया है. हालांकि, सेना के कर्नल और नीचे के रैंक के अधिकारियों की वर्दी में कोई बदलाव नहीं होगा।

सूत्रों के अनुसार, फ्लैग रैंक (ब्रिगेडियर और ऊपर) के वरिष्ठ अधिकारियों के हेडगियर, शोल्डर रैंक बैज, गोरगेट पैच, बेल्ट और जूते अब एक जैसे होंगे। ध्वज-रैंक के अधिकारी अब कोई डोरी नहीं पहनेंगे। बदलाव इस साल 1 अगस्त से लागू होंगे। भारतीय सेना के कर्नल और नीचे के रैंक के अधिकारियों की पहनी जाने वाली वर्दी पहले जैसी ही रहेगी।

क्यों लिया गया ये फैसला? एक सूत्र ने कहा कि रेजीमेंट की सीमाओं से परे, वरिष्ठ नेतृत्व के बीच सेवा मामलों में सामान्य पहचान और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए, भारतीय सेना ने ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए एक समान वर्दी अपनाने का फैसला किया है। ये एक निष्पक्ष और न्यायसंगत संगठन होने के लिए भारतीय सेना के चरित्र को भी मजबूत करेगा।

इन अधिकारियों के लिए नहीं होती रेजिमेंटल सीमाएं: मेजर जनरल, लेफ्टिनेंट जनरल और जनरल सहित ब्रिगेडियर स्तर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों की रेजिमेंटल सीमाएं नहीं होती हैं। भारतीय सेना में, ब्रिगेडियर और ऊपर के अधिकारी वे होते हैं जो पहले से ही इकाइयों, बटालियनों की कमान संभाल चुके होते हैं और ज्यादातर मुख्यालय या प्रतिष्ठानों में तैनात होते हैं।

दो डीएसपी व पांच एसआई रैंक के अधिकारियों को मिला प्रशस्ति पत्र

शाबाश: डीजीपी ने बक्सर जिले के 32 पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को किया सम्मानित

शाहाबाद रेंज के डीआईजी नवीन चंद्र झा के साथ खड़े सम्मानित हुए पुलिस पदाधिकारीगण

बक्सर डीएसपी गोरख राम को सम्मानित करते डीजीपी

बक्सर डीआईयू प्रभारी राजेश मालाकार को सम्मानित करते डीजीपी

डीआईयू सिपाही मनीष कुमार को सम्मानित करते डीजीपी

कोरानसराय थानाध्यक्ष रंजीत कुमार को सम्मानित करते डीजीपी

- पिछले दिनों विभिन्न थाना क्षेत्रों में तीन गंभीर कांडों के सफल उद्भेदन पर मिला है सम्मान

केटी न्यूज/सासाराम/बक्सर

सम्मनित होते नवानगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन राय व मुफस्सिल थानाध्यक्ष राहुल कुमार

पिछले वर्ष गंभीर मामलों के उद्भेदन व अपराधियों की गिरफ्तारी में बेहतर काम करने वाले जिले के 32 पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को डीजीपी आरके भट्टी ने प्रशस्ति पत्र व नगद राशि देकर सम्मानित किया है। डीजीपी के बीहाफ में शाहाबाद रेंज के डीआईजी नवीन चंद्र झा ने उन्हें अपने हाथों प्रशस्ति पत्र तथा नगद राशि सौंपा है। प्रशस्ति पत्र व नगद राशि पाने वालों में जिले के दो डीएसपी व पांच एएसआई रैंक के अधिकारी तथा अन्य पुलिसकर्मी शामिल है। जिनमें डीआईयू की टीम भी शामिल है। यह इनाम पिछले साल के तीन जटिल मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए मिला है। इनमें 16 कर्मियों का तबादला भी दूसरे जिले में हो चुका है। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव के एएसपी रहे राज, बक्सर सदर एसडीपीओ गोरख राम, वर्तमान में कोरानसराय थानाध्यक्ष रंजीत कुमार, नावानगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन राय, मुफस्सिल के थानाध्यक्ष रहे अमित कुमार, डीआईयू के प्रभारी राजेश मालाकार, इटाढ़ी के पूर्व थानाध्यक्ष राहुल कुमार, डीआईयू के मनीष कुमार समेत कुल 32 कर्मियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया है। बता दें कि इटाढ़ी थाना कांड संख्या 90/22 में 50 लाख रुपए की फिरौती के लिए एक नाबालिक का अपहरण हुआ था। जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहर्ता के चंगुल से नाबालिक को सकुशल बरामद करने के साथ ही अपहरण में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि मुफस्सिल थाना कांड संख्या 100/22 में मोटरसाइकिल लूट मामले में पुलिस ने पूरे गैंग का उद्भेदन करते हुए 9 लूटेरों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से चार देशी आग्नेयास्त्र, 18 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल तथा लूट व चोरी के 6 बाइक को बरामद किया था।

वहीं, नया भोजपुर ओपी थाना कांड संख्या 119/22 में पुलिस ने जाली लाइसेंस के सहारे अवैध हथियार का खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह का भंडाभोड़ करते हुए आर्डिनेंस फैक्ट्री का बना पिस्टल तथा अन्य सामानों की बरामदगी में पुलिस की भूमिका सराहनीय रही थी। इसके अलावे भी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए कई गंभीर अपराधों का पुलिस ने त्वरित उद्भेदन किया था। जिसके चलते पुलिस पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया है। प्रशस्ति पत्र के साथ ही सभी कांडों के उद्भेदन में शामिल होने वाले पदाधिकारियों को प्रत्येक कांड के लिए 25-25 सौ रूपए का नगद पुरस्कार भी दिया गया है। एसपी मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इनती बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों का सम्मानित होना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों को गिरफ्तार करने व शराब तथा मादक पदार्थों की तस्करी रोकना है। एसपी ने कहा कि पुलिस पदाधिकारियों के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण अपराधियों व तस्करों में हड़कंप मच गया है। हालांकि इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डुमरांव के तत्कालीन एसडीपीओ सह एएसपी राज का तबादला मोतीहारी जिले में हो चुका है।

लूटपाट की साजिश रचते हथियार के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

जिले के नारायणपुर में पुलिस द्वारा सोमवार की शाम राहगीरों से लूटपाट की तैयारी में बैठे तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इन बदमाशों के पास से एक देसी कट्टा, दो गोलियां और तीन मोबाइल भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में नारायणपुर थाना क्षेत्र के ही बघुअई गांव निवासी पृथ्वी सिंह के पुत्र विमलेश कुमार, उपेंद्र सिंह के पुत्र सुबोध कुमार और भलुनी गांव निवासी राम सुरेश सिंह के पुत्र मुन्ना कुमार उर्फ मुनमुन कुमार शामिल हैं। तीनों बस स्टैंड से बघुअई गांव की ओर जाने वाली सड़क पर पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर राहगीरों से लूटपाट करने वाले थे। तभी पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। एसपी प्रमोद कुमार द्वारा मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि सोमवार की शाम सूचना मिली कि नारायणपुर बस स्टैंड से बघुअई गांव जाने वाली सड़क पर पीपल के पेड़ के नीचे तीन अपराधी हथियार के साथ बैठे हैं और लूटपाट की तैयारी में है। उस आधार पर एसडीओ राहुल सिंह के नेतृत्व में थानाध्यक्ष राकेश कुमार द्वारा छापेमारी की गयी। पुलिस को देखते ही तीनों बदमाश भागने लगे, लेकिन खदेड़ कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान देसी कट्टा, दो गोली और तीन मोबाइल बरामद किया गया। पूछताछ में तीनों ने लूटपाट की साजिश बनाने की बात स्वीकार की है।

पुजारी को बंधक बनाकर भगवान श्रीराम, जानकी व लक्ष्मण की मूर्तियों की लूट

केटी न्यूज/आरा

जिले में अपराधी हथियार के बल पर एक ठाकुरबाड़ी से भगवान राम, लक्ष्मण और माता सीता की कीमती मूर्ति लूट ले गए। लूट की यह घटना धोबहां ओपी क्षेत्र के छोटकी धर्मपुर गांव स्थित ठाकुरबाड़ी से सोमवार की रात करीब दो बजे की है। अपराधियों द्वारा ठाकुरबाड़ी के पुजारी को बंधक बनाकर लूट की इस घटना को अंजाम दिया गया है। मूर्तियां काफी पुरानी और अष्टधातु की बतायी जा रही है, जिनकी कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे ग्रामीणों के पहुंचने के बाद पुजारी द्वारा थाने को घटना की सूचना दी गयी। पुलिस मामले की छानबीन, मूर्तियों की बरामदगी और अपराधियों की धरपकड़ में जुटी है। इसे लेकर पुलिस पुजारी से पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों से भी पूरी घटना की जानकारी ली जा रही है।

बताया जा रहा है कि पुजारी मदन मोहन पांडेय रोज की तरह सोमवार की रात भी ठाकुरबाड़ी में सो रहे थे। रात करीब दो बजे दो की संख्या में अपराधी ठाकुरबाड़ी में पहुंचे। अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर पुजारी को बंधक बना लिया। उसके बाद तीनों मूर्तियां लूट ले गए। सुबह लूट की सूचना मिलने पर ओपी इंचार्ज सुशांत कुमार मौके पर पहुंचे और घटना की छानबीन की। इधर, एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है। पुजारी से पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों से भी घटना की जानकारी ली जा रही है। घटना में लोकल लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। मूर्तियां की बरामदगी और अपराधियों की गिरफ्तारी को एएसपी के नेतृत्व में टीम गठित कर दी गयी है। जल्द ही अपराधी पकड़े जायेंगे और घटना का खुलासा होगा।

बिलंब से सूचना बना शक का कारण : हथियार के बल पर मूर्तियों की लूट की घटना के करीब छह घंटे बाद पुलिस को सूचना दी गयी। सोमवार की रात लूट की घटना के बाद मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे पुजारी द्वारा पुलिस को जानकारी दी गयी। इससे घटना को लेकर पुलिस को संदेह उत्पन्न हो गया है। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि लूट की सूचना आखिर इतनी देर से क्यों दी गयी?

परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत सेविका व एएनएम के एक दिवसीय उन्मुखीकरण का आयोजन

खुशहाल समाज के लिए मातृ व शिशु मृत्यु दर में कमी लाना आवश्यक

केटी न्यूज/छपरा

- परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

स्वस्थ व खुशहाल समाज के लिए मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु को कम करना होगा। इसके लिए परिवार नियोजन के साधनों का इस्तेमाल करना होगा। उक्त बातें शहरी अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हरिनारायण प्रसाद ने कही। उनके अनुसार लोग किसी भी नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी लेने के साथ ही सुविधानुसार इच्छित विकल्प का लाभ उठा सकते हैं। बच्चों के बीच समयांतराल रखने और छोटा परिवार के होने से लोग वर्तमान समय में बढ़ रही महंगाई से छुटकारा मिलने के साथ ही जनसंख्या स्थिरीकरण में भी सरकार और देश के सहायक बन सकते हैं। सरकार द्वारा चलाये जा रहे परिवार नियोजन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण के साथ ही प्रजनन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हुए स्वस्थ परिवार का निर्माण करना भी है। लोगों को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों का इस्तेमाल कर इस अभियान को सफल बनाना चाहिए। मंगलवार को शहरी स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज में पॉपुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया के द्वारा मासूमगंज के एएनएम और आंगनबाड़ी सेविका के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण बैठक एवं क्षमता-वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन एमओआईसी डॉ हरिनारायण प्रसाद एवं चिकित्सा पदाधिकारी राजीव रंजन के द्वारा किया गया।

परिवार नियोजन के साधनों का उपयोग आवश्यक : प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि मासूमगंज शहरी स्वास्थ्य केंद्र में प्रत्येक सोमवार को परिवार नियोजन के साधनों का कैंप लगता है। जहां से योग्य दंपति को परिवार नियोजन के साधनों का उठाव कर लाभ उठाना चाहिए। पीएसआई इंडिया के कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर कुमार के द्वारा सभी एएनएम व सेविका को प्रत्येक परिवार नियोजन के साधनों के ऊपर विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक टीकाकरण सत्र पर भी साधन उपलब्ध रहते हैं। जहां से योग्य दंपति को परिवार नियोजन के साधनों का उठाव कर लाभ उठाना चाहिए।

घर भ्रमण कर योग्य दंपति को कैंप आमंत्रित करेंगी सेविका व आशा: पीएसआई इंडिया के क्षेत्रीय कार्यक्रम समन्वयक जीतेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया, सभी सेविका व आशा अपने क्षेत्र के सभी योग्य दंपति के घर का भ्रमण करेंगी और उन्हें शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में होने वाले कैंप एवं टीकाकरण स्थल पर लाएंगी। ताकि योग्य दंपति उचित सेवा का लाभ उठा सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन के लिए लोगों को स्थायी व अस्थायी विकल्प की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही, जो जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों को इसकी जानकारी देने के लिए आशा, एएनएम आदि नियमित उपस्थित रहती हैं। जिनसे लोग परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी साधनों की जानकारी ले सकते हैं।

एक नजर

गृहप्रवेश से लौट रहे युवा ठेकेदार की गोलीमार कर अपराधियों ने की हत्या

जहानाबाद। बुआ के घर का गृहप्रवेश से लौट रहे युवा ठेकेदार की गोलीमार कर अपराधियों ने हत्या कर दी। घर सोमवार की आधी रात लगभग 11:40 बजे के करीब हुई। जब वो नगर थाना क्षेत्र के लोकनगर में स्थित अपने घर जा रहे थे। एसी दौरान पहले से घात लगा कर बैठे अपराधियों ने ताबड़तोड फायारिंग शुरू कर दी। जिसमें उन्हें चार गोली कंधे-जांघ, पेट व सिर में गली। जिसके कारण ठिकेदार चंदन कुमार 42 की मौत घटना स्थल पर ही हो गई हत्या के बाद पुरे इलाके में सनसनी मच गई। वहीं बगल में बरात आई थी जयमाल की रश्म चल रही थी फायदा उठाते हुए अपराधी सुरक्षित भाग निकले। मुल निवासी नदौल के मोकर गांव निवासी है चंदन कुमार जहानाबाद में मकान बनाकर रहता है। जहानाबाद निखिल कुमार ने कहा कि अभी परिजनों के द्वारा लिखित शिकायत नही मिली है। घटना की जांच की जा रही है। वहीं पुलिस अपराधियों के पहचान में जुटी है। मृतक के घर के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे लगे हुए है। उसे खंघाला जा रहा है। जिससे अपराधियों कि पहचान हो सके।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट और फायरिंग में एक गिरफ्तार

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के बड़की सिंगही में सोमवार की देर शाम पूर्व की जमीन विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। उस दौरान फायरिंग भी की गई है। हालांकि फायरिंग में किसी को गोली नहीं लगी है। उसे लेकर दोनों पक्षों की ओर से नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। एक पक्ष की ओर सात, जबकि दूसरे की से नौ लोगों को आरोपित किया गया है। दोनों पक्षों के कुछ रिश्तेदारों को भी नामजद किया गया है। दोनों पक्ष की ओर से एक-दूसरे पर दरवाजे पर मारपीट और फायरिंग करने का आरोप लगाया जा रहा है। एक पक्ष की ओर से पूर्व में रिश्तेदारों पर दर्ज केस उठाने के लिए इस घटना को अंजाम दिये जाने का आरोप लगाया जा रहा है। मारपीट और हथियार लहराये जाने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। इधर, पुलिस ने इस मामले में एक पक्ष के एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। वह बड़की सिंगही गांव निवासी मिन्हाज अख्तर बताया जा रहा है। इधर, देर शाम हुई इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी मच गयी। आसपास के घरों के दरवाजे धड़ाधड़ बंद होने लगे। घटना की सूचना मिलते पर पहुंची पुलिस ने मौके से दो खोखे भी बरामद किये है। बताया जाता है कि बड़की सिंगही गांव निवासी मिन्हाज अख्तर और शाह जफर के परिवार के बीच कुछ दिनों से जमीन का विवाद चला आ रहा है। सोमवार की देर शाम विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया। उसको लेकर दोनों पक्ष आपस में भिड़ गये और जमकर मारपीट की गयी। फायरिंग भी की जाने लगी। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया है कि मो.मिन्हाज अख्तर और शाह जफर नामक दो लोगों के बीच जमीन को लेकर पहले से लड़ाई थी। इसी क्रम में इन दोनों पक्षों ने आपस में मारपीट की। दोनों एक-दूसरे पर मारपीट और फायरिंग करने का आरोप लगा रहे हैं। दोनों पक्षों द्वारा टाउन थाना में एक दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी है। घटनास्थल से दो खोखे भी बरामद किये हैं। हालांकि प्रारंभिक जांच में दोनों खोखे काफी पुराने लग रहे हैं। घटना के सारे पहलुओं की जांच की जा रही है। इस मामले में एक पक्ष के एक आरोपित मिन्हाज अख्तर को गिरफ्तारी कर लिया गया है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

जयंती पर याद किए गए महाराणा प्रताप

जहानाबाद। स्मरणीय, महान स्वाभिमानी, हिंदुआ सूरज, सत्य सनातन धर्म की आन-बान-शान, मां भारती के वीर सपूत, वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती मंगलवार को जदयू जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में जदयू कार्यालय में धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप को बचपन में ही ढाल तलवार चलाने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा था क्योंकि उनके पिता उन्हें अपनी तरह कुशल योद्धा बनाना चाहते थे। बालक प्रताप ने कम उम्र में ही अपने अदम्य साहस का परिचय दे दिया था। धीरे धीरे समय बीतता गया। दिन महीनों में और महीने सालों में परिवर्तित होते गये। इसी बीच प्रताप अस्त्र शस्त्र चलाने में निपुण हो गये। इस अवसर पर अपना विचार व्यकत करते हुए जदयू उपाध्यक्ष सह संगठन प्रभारी महेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप मेवाड़ के शासक और एक वीर योद्धा थे जिन्होंने कभी अकबर की अधीनता स्वीकार नही की। उनका जन्म सिसोदिया कुल में हुआ था। महाराणा प्रताप जीवनपर्यन्त मुगलों से लड़ते रहे और कभी हार नही मानी। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में हुआ था। उनके पिता का नाम महाराणा उदय सिंह द्वितीय और माता का नाम रानी जीवंत कंवर (जयवंता बाई) था। महाराणा प्रताप अपने भाई में सबसे बड़े थे इसलिए उनको मेवाड़ का उत्तराधिकारी बनाया गया। वो सिसोदिया राजवंश के 54वें शासक कहलाते हैं। इस अवसर पर प्रधान महासचिव रामभवन सिंह कुशवाहा प्रवक्ता अमित कुमार ऊर्फ पम्मु, गुलाम मूर्तजा अंसारी, युवा क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, सुनील पांडेय, संजीव कुमार सिंह, मुरारी यादव, जुदागी मांझी, ओम प्रकाश पटेल सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

वेतन भुगतान और बायोमेट्रिक अटेंडेंस के खिलाफ सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

छपरा। छपरा नगर निगम में सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए सफाई कर्मियों ने सभी कार्यालयों में तालाबंदी कर दिया। तालाबंदी,प्रदर्शन तथा हंगामा के बीच कुछ समय के लिए नगर निगम में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। कर्मचारियों का मांग है कि उनके वेतन में वृद्धि सहित बायोमेट्रिक एटेंडेंस में बदलाव किया जाए। दो समय ही बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस लिया जाय। सफाई कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार के बाद पूरे शहर में सफाई कार्य ठप पड़ गया। सफाई कर्मचारी गायत्री देवी ने बताया कि नगर निगम के अंतर्गत कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों का भुगतान समय हो जा रहा है लेकिन सफाई कर्मियों का वेतन भुगतान पिछले 3 महीनों से लंबित है साथ में नगर निगम प्रशासन के पदाधिकारियों द्वारा मनमानी करते हुए पूरे दिन में तीन टाइम बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए अलग-अलग वार्ड से नगर निगम कार्यालय में बुलाया जाता है। जिससे लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम द्वारा जब तक मांगों को पूरा नही किया जाएगा सफाई कार्य ठप रहेगा।

खबरें फटाफट

दुकान के पीछे मिला नवजात का शव, पुलिस ने किया अंतिम संस्कार

नावानगर। सोनवर्षा में मंगलवार को एक नवजात का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। किसी कलयुगी मां ने लोक लाज के डर से उसे सोनवर्षा के चौधरी बिल्डिंग मेटेरियल दुकान के पीछे फेंक दिया था। दोपहर का समय होने के कारण रेत पर पड़े नवजात ने संभवतः अत्यधिक गर्मी के कारण दम तोड़ दिया होगा। लोगों की नजर जब नवजात के शव पर पड़ी तो जंगल की आग की तरह यह बात पूरे क्षेत्र में फैल गई। इसकी जानकारी मिलते ही पूर्व मुखिया बीरेंद्र चौधरी एवं स्थानीय पुलिस ने नवजात शिशु का दाह संस्कार कराया। इधर नवजात शिशु का शव मिलने की खबर से लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। भीड़ देखकर वैना पंचायत के पूर्व मुखिया वीरेंद्र चौधरी ने पहुंच इसकी सूचना सोनवर्षा ओपी पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूर्व मुखिया के साथ मानवता का परिचय दिया। नवजात शिशु के शव को कब्जे में लेने के बाद पूर्व मुखिया संघ पुलिस ने हिन्दू रीति रिवाज से उसका दाह संस्कार किया।

मारपीट के दो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा, जेल

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी पुलिस ने स्थानीय गांव से मारपीट के दो आरोपियों को पकड़ने में कामयाबी पायी है। पकड़े गये आरोपी मोहम्मद रेहान और मोहम्मद चांदी बताये जाते है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि पिछले दिनों दलित बस्ती में हुई मारपीट के आरोप में दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज था। मामला दर्ज होने के बाद दोनों आरोपी फरार थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दोनों आरोपी घर के आसपास देखे गये है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी को लेकर एक टीम गठित की और त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें अपने गिरफ्त में ले लिया तथा कड़ी पूछताछ के बाद जेल भेज दिया।

वर्ष 1868 में ब्रिटिश हुकूमत ने कराई थी डुमरांव नगरपालिका की स्थापना

156 वर्ष पुराना है डुमरांव नप का इतिहास अंग्रेज करते थे चेयरमैन की नियुक्ति

- 2017 में हुए चुनाव में 26 वार्डो में 15 पर महिला पार्षदों ने लहराया था परचम
- 12 गांव के वोटर हुए 2023 चुनाव में शहरी, पहली बार करेंगे मतदान
- इंग्लैंड के संविधान के तहत चेयरमैन की होती थी नियुक्ति

रजनी कांत दुबे/डुमरांव

नगर परिषद डुमरांव में शुरू से ही महिलाओं को सम्मान मिलता आया है। विकास की कुंजी अधिकांशतः महिलाओं के हाथों में होती थी। पहली बार डुमरांव के चर्चित कांग्रेसी नेता स्व. द्वारिका प्रसाद केशरी की पत्नी मीरा देवी चेयरमैन चुनी गईं। अभी भी फिलहाल नप मुख्य पार्षद पद पर भागमनी देवी का कब्जा था। ज्ञात हो वर्ष 2017 में हुए चुनाव में 26 वार्डो में 15 पर महिला पार्षदों ने ही परचम लहराया था।

उच्च न्यायालय के आदेश पर नगर पंचायत को डुमरांव नगर परिषद का दर्जा मिला। पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बाद महिलाओं के अलावा अति पिछड़ा वर्ग के लिए सरकार ने सीट आरक्षण की व्यवस्था लागू कर दी। वर्ष 2005 में डुमरांव नगर पंचायत से नगर परिषद् में तब्दील हुआ और वार्डो के पुर्नगठन के बाद 26 वार्डो में बंट उनके आधार पर नगर परिषद का

चुनाव हुआ। परन्तु इस बार कुल 35 वार्ड होंगे। 2023 के चुनाव में आठ वार्ड बढ़े हैं। 70 हजार 769 मतदाता शामिल हैं, जो पहली बार चेयरमैन और उप चेयरमैन का चुनाव करेंगे।

चुनाव को संपन्न कराने के लिए 85 मतदान केंद्र बनाये जायेंगे। वहीं सरकार के द्वारा इसबार नप का विस्तार किया गया है। जिसमें नगर पर्षद में पुराना भोजपुर, नया भोजपुर, हथेलीपुर मठिया, बनकट, महरौरा सहित 12 गांवों को शामिल किया गया है। नगर पर्षद का दायरा बढ़ने के बाद पहली बार 12 गांवों के वोटर शहर की सरकार को चुनने में अपनी हिस्सेदारी निभायेंगे।

जानें डुमरांव के इतिहास को

नगरपालिकाओं में डुमरांव नगरपालिका का अति प्राचीन इतिहास है। नगरपालिका की स्थापना वर्ष 1868 में ब्रिटिश हुकूमत में हुई थी। इंग्लैंड के संविधान के तहत स्थापित नगरपालिका में चेयरमैन की नियुक्ति बिहार, बंगाल, ओडिसा का प्रधान कार्यालय कलकत्ता प्रेसीडेंसी करता था। ब्रिटिश हुकूमत नगरपालिका के संचालन की जिम्मेवारी सिपहसलारों को सौंपा करता था। डुमरांव निकायों के मद्देनजर विकास की शुरूआत वर्ष 1950 में बिहार ओडिसा नगरपालिका अधिनियम बनाये जाने के बाद हुई। पहली बार इस अधिनियम के तहत 12 वर्ष के युवा व युवतियों को मतदान करने का अधिकार मिला।

नगरपालिका का वार्ड का गठन

1868 में स्थापित डुमरांव नगरपालिका को पहली बार वार्ड का गठन 1952 में किया गया। जिसे दो वार्डो में बांटा गया एक वार्ड चार सदस्यीय होता था। दस सदस्यीय बोर्ड के गठन में आठ निर्वाचित सदस्य और दो सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य होते थे। उस जमाने में स्थानीय स्वतंत्र सेनानियों में कुमारी बाबा, रामनरेश सिंह यादव तथा जवाहरलाल श्रीवास्तव निर्वाचित सदस्य चुने गए थे। नगरपालिका बोर्ड गठन में महज एक चेयरमैन एवं एक वाईस चेयरमैन हुआ करता था। ब्रिटिश शासन ने स्वशासन का अधिकार तो दिया था लेकिन मतदान का अधिकार नहीं दिया था। यह सिलसिला वर्ष 1947 तक चलता रहा।

1955 में हुआ था पहला चुनाव

जानकारों की मानें तो अंग्रेजों द्वारा गठित बोर्ड के सदस्यों का चुनाव 10 वर्षो का होता था। लेकिन देश की आजादी के आठ वर्ष के बाद डुमरांव नगरपालिका का चुनाव वर्ष 1955 में कुल आठ वार्डो के आधार पर हुआ। वर्ष 1963 में वार्डो की संख्या बढ़कर 11 हो गई। लगातार 1980 तक प्रत्येक पांच साल पर चुनाव होता रहा। बीच में वर्ष 1988 से 2002 तक सरकार के द्वारा कारणवश डुमरांव नगरपालिका सहित प्रांत के निकायों का चुनाव नहीं हो सका। वर्ष 2002 में वार्डो की संख्या 18 हो गई।

नप चुनाव: नामांकन के पहले दिन नहीं खुला खाता, कटे 30 एनआर

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद चुनाव को लेकर अनुमंडल मुख्यालय के निर्वाचन कार्यालय में नामांकन के पहले दिन किसी भी उम्मीद्वार ने अपना पर्चा दाखिल नहीं किया जबकि विभिन्न पदों के लिए 30 एनआर काटे गये, जिसमें चेयरमैन पद के लिए एक, उप चेयरमैन के लिए तीन और विभिन्न वार्डों के लिए 26 एनआर की बिक्री हुई। जिसमें महिला और पुरुष प्रत्याशी शामिल है। नामांकन प्रक्रिया को लेकर बिहार राज्य निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन का सख्ती के साथ पालन कराया जायेगा। इसके लिए सुरक्षा के कड़े बन्दोबस्त किये गये हैं।

नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले प्रत्याशी अपने प्रपत्र को हेल्पडेस्क पर जाकर जांच करायेंगे स्वीकृति के बाद ही अपने पद के

काउंटर पर पहुंच कर नामांकन दाखिल करेंगे। नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए छह काउंटर बनाये गये है। जिसमें चेयरमैन और उपचेयरमैन पद के लिए एक काउंटर, वार्ड एक से सात तक दो नंबर काउंटर, वार्ड 8 से 14 तक तीन नंबर काउंटर, वार्ड 15 से 21 तक चार नंबर काउंटर, वार्ड 22 से 28 तक पांच नंबर काउंटर तथा वार्ड 29 से 35 तक लिए छह नंबर काउंटर बनाये गये है। जहा प्रत्याशी अपने बारी आने के बाद ही नामांकन पत्र को दाखिल करेंगे। अनुमंडल निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीएम कुमार पंकज ने बताया कि नामांकन कार्य को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये हैं।

नामांकन के लिए केवल प्रत्याशी के साथ समर्थक और प्रस्तावक को ही अंदर आने की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा को लेकर मुख्य गेट के अलावे दो जगहों पर बैरिकेडिंग कराया गया है। साथ ही गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गयी है। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती रहेगी। विभिन्न पदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया मंगलवार से प्रारंभ हो गयी, जो 17 मई तक चलेगा। नामांकन में लाव-लश्कर के साथ आने की मंशा रखने वाले प्रत्याशियों को महंगा पड़ सकता है। प्रशासन आयोग के गाइडलाइन के अनुसार इसका शत प्रतिशत अनुपालन करायेगा। नामांकन स्थल के सौ गज के दायरे में धारा 144 लागू रहेगी। इस परिधि में वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा। हो-हल्ला और जिंदाबाद आदि के नारे लगाने वालों पर कार्रवाई होगी। हर आने जाने वालों पर प्रशासन तीसरी आंख से निगरानी रखेगी भीड़ के मद्देनजर प्रशासन की चौकसी बनी रहेगी। प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था का पूरा इंतजाम कर लिया है। भीड़ जुटने से सड़क पर ट्रैफिक जाम न हो इसके लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया जायेगा ताकि नामांकन के लिए आने वाले किसी भी प्रत्याशी को कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़े। निर्धारित समय पूरा होने के बाद किसी भी प्रत्याशी को अंदर आने की इजाजत नही मिलेगी।

राजपूत करणी सेना ने मनाई महाराणा प्रताप की जयंती, पदचिन्हों पर चलने का लिया संकल्प

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार को सदर प्रखंड के दलसागर खेल मैदान में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के बैनर तले महाराणा प्रताप जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता क्षत्रिय महासभा के पूर्व मीडिया प्रभारी उमाशंकर सिंह ने व संचालन राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष रिंकू मुखिया ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डुमरांव रियासत के महाराज चंद्र विजय सिंह मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजपूत करणी सेना के युवा जिला अध्यक्ष राणा तिलक प्रताप सिंह और प्रदेश पदाधिकारी अभिषेक सिंह ने सराहनीय भूमिका निभाई। जयंती समारोह को महाराज चंद्रविजय सिंह, युवराज शिवांग विजय सिंह, जय सिंह राठौर, डॉ आशुतोष कुमार सिंह, अमरेंद्र राजेश आदि ने संबोधित किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने समाज को एकजुट होने और कमजोर और गरीब तबके के लोगों को मदद करने का संदेश दिया। सैनिक संघ के अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा को बक्सर के गोलंबर एरिया में स्थापित करने का सुझाव दिया। जोशीला

वक्तव्य देते हुए डॉ आशुतोष कुमार सिंह ने समाज को जमीनी स्तर पर रह करके कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में करणी सेना को मजबूती देने और हर क्षत्रिय समाज के घर घर पहुंचने के लिए अपनी वचनबद्धता दुहराई। डुमरांव राज परिवार के शिवांग विजय सिंह ने करणी सेना के युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि हम लोग सदैव आप लोगों के कार्यक्रम के साथ हैं। संबोधन करने वालों में महाराणा प्रताप फाउंडेशन के अध्यक्ष तेजप्रताप छोटे सिंह, पंकज बसुधरी, महिला नेत्री करिश्मा सिंह, इंद्रजीत बहादुर सिंह उर्फ चुन्नू सिंह, इंदल मुखिया, आदि लोग थे।

खुद को गोली मारने वाले शिक्षक की इलाज के दौरान हुई मौत, शिक्षकों ने जताया शोक

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़का नुआंव गांव में परिवारिक कलह से परेशान हो खुद को गोली मार लेने वाले शिक्षक वैभव कुमार की इलाज के दौरान वाराणसी में मौत हो गई है। उनकी मौत होते ही परिवार में मातम पसर गया है। इधर शिक्षक संगठनों ने भी उनके असामयिक निधन पर गहरा शोक जताया है। बता दें कि इटाढ़ी प्रखंड के कैथना उच्च विद्यालय में बतौर शारीरिक शिक्षक तथा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़का नुआंव गांव के रहने वाले शिक्षक वैभव कुमार ने घरेलु कलह से परेशान हो खुद को गोली मार लिया था। उनकी मौत की खबर मिलते ही शिक्षक समुदाय में शोक की लहर

दौड़ गई। उनके विद्यालय में शोक सभा कर एक दिन की छुट्टी घोषित की गई। जबकि जिला मुख्यायल स्थित एमपी उच्च विद्यालय परिसर में एक शोक सभा आयोजित कर उनके असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता एमपी उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार मिश्र ने की। इस दौरान विनोद कुमार चौबे, शंकर प्रसाद, उच्च विद्यालय मंझरिया से अजीत कुमार, रोहतास के सैसड से संतोष कुमार, उच्च विद्यालय मानिकपुर से अनिल कुमार चतुर्वेदी, उच्च विद्यालय महदह राजकुमार उच्च विद्यालय नैनीजोर से अभिषेक कुमार सिंह, समेत दर्जनों अन्य शिक्षक मौजूद थे।

स्ट्रेंथनिंग एजुकेशन तो ब्रिज द थैलेसेमिया केयर गैप है इस वर्ष की थीम

रहें सतर्क... 2 वर्ष से कम आयु के शिशु को थैलेसेमिया का अधिक खतरा

केटी न्यूज/बक्सर

थैलेसेमिया एक रक्त जनित रोग है जो की मानव शरीर में हीमोग्लोबिन की उत्पादन को कम करता है और हीमोग्लोबिन द्वारा ही पूरी शरीर की कोशिकाओं में ओक्सिजेन को पहुंचाने का काम होता है। हेमोग्लोबिन का कम स्तर शरीर के विभिन्न अंगों में ऑक्सिजन की कमी करता है। इससे ग्रसित व्यक्ति के शरीर में रक्ताल्पता या एनीमिया की शिकायत हो जाती है। शरीर का पीलापन, थकावट एवं कमजोरी का एहसास होना इसके प्राथमिक लक्षण होते हैं। तुरंत उपचार ना होने पर बीटा थैलेसेमिया के मरीज के शरीर में खून के थक्के जमा होने लगते हैं। थैलेसेमिया रोग के बारे में जागरूकता फैलाने

के लिए है वर्ष 8 मई को विश्व थालेसेमिया दिवस मनाया जाता है। स्ट्रेंथनिंग एजुकेशन तो ब्रिज द थैलेसेमिया केयर गैप को इस वर्ष की थीम के रूप में चुना गया है।

माता पिता के ग्रसित होने की स्थिति में बच्चों को 50 प्रतिशत तक खतराः थैलेसेमिया की उत्पत्ति मानव जीन में असामान्यता से होती है। यदि नवजात शिशु के माता पिता में से कोई भी थैलेसेमिया से ग्रसित है तो शिशु में भी यह रोग होने की 25 प्रतिशत सम्भावना होती है। यदि नवजात के माता पिता दोनों इस रोग से ग्रसित है तो उनके पैदा होने वाले शिशु में इस रोग से ग्रसित होने की सम्भावना 50 प्रतिशत तक रहती है। थैलेसेमिया से पीड़ित व्यक्ति को चेकअप के उपरांत उपचार किया जाता है। मरीज के शरीर में रक्ताल्पता के स्तर के अनुसार इलाज बताया जाता है और एनीमिया की स्तिथि गंभीर होने पर उन्हें खून चढ़ाने की सलाह दी जाती है। ज्यादा गंभीर स्तिथि ना होने पर मरीज को दवा खाने की सलाह दी जाती है एवं अत्याधिक गंभीर स्तिथि वाले मरीज को मज्जा प्रतिरोपण (बोन मैरो ट्रांसप्लांट) की सलाह दी जाती है।

थैलेसेमिया से ग्रसित शिशु हो सकते हैं कुपोषित

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि नवजात शिशु जो थैलेसेमिया से ग्रसित होता है उसमे जन्म के उपरांत कुछ महीनों के अन्दर ही एनीमिया के लक्षण दिखाई देने लगते हैं तथा उम्र के अनुपात में शिशु के वजन में वृद्धि नहीं होती है व उसकी लंबाई भी कम होती है और तुरंत उपचार न होने से नवजात शिशु कुपोषण का शिकार होता है एवं उसकी जान पर भी खतरा हो सकता है। काफी मरीज जो इस रोग से ग्रसित होते हैं, उन्हें कुछ कुछ समय पर खून चढ़ाने की जरुरत होती है और ऐसा लंबे समय तक चलने से मरीज के लीवर, हृदय एवं हार्मोन में जटिलतायें होने लगती हैं। थैलेसेमिया मूलतः अनुवांशिक होता है एवं पति पत्नी को शिशु के बारे में सोचने के समय पूरा रक्त जांच करवाना चाहिए जिससे आने वाले समय में किसी भी तरह के जटिलता से बचा जा सके। अगर एनीमिया के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सीय परामर्श लें व नजरअंदाज बिलकुल न करें।

ये हैं प्रारंभिक लक्षण

- शरीर एवं आँखों का पीलापन
- पीलिया से ग्रसित होना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन
- भूख न लगना
- थकावट एवं कमजोरी का महसूस होना

एक नजर

पंचायत उप चुनाव: नामांकन के आखिरी दिन नियाजीपुर खुर्द से सरिता ने भरा पर्चा

सिमरी। सिमरी प्रखंड में होने वाले पंचायत उप चुनाव के अंतिम दिन नियाजीपुर खुर्द पंचायत से सरिता देवी ने मुखिया पद के लिए नामजदगी का पर्चा भरा। इसके साथ ही अब इस पंचायत में कुल 8 उम्मीद्वारों ने मुखिया पद के लिए नामांकन किया है। बता दें कि उप चुनाव के तहत कुल पांच पदों पर चुनाव होना है। बता दें कि उप चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन का आखिरी दिन था। नामांकन की तिथि बीतने तथा एक पद के लिए आठ उम्मीद्वार होने से नियाजीपुर खुर्द पंचायत में सियासत गरमा गई है। बता दें कि इस पंचायत की मुखिया का बीमारी की वजह से निधन हो गया था। जिसके बाद पंचायत में मुखिया का पद खाली था। अंतिम दिन नामांकन करने वाली सरिता देवी सिमरी प्रमुख प्रियंका देवी की जेठ है। इनके नामांकन फार्म जमा करने के बाद से ही पंचायत उप चुनाव में दिलचस्प मोड़ आ गया है। अभ्यर्थी सरिता देवी समर्थकों की भारी भीड़ के बीच नामांकन स्थल पर पहुंची थी। हालांकि प्रशासन द्वारा समर्थकों को नामांकन स्थल से पहले ही रोक दिया गया था, केवल अभ्यर्थी के साथ प्रस्तावक व समर्थक ही नामांकन स्थल पर पहुंचे थे। जबकि समर्थक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर खड़े होकर अपने प्रत्याशी के आने का इंतजार कर रहे थे। बताते चलें कि नामांकन के अंतिम दिन मुखिया पद के लिए एक पंच पद के लिए एक व वार्ड के एक नामांकन दाखिल हुआ। केवल नियाजीपुर खुर्द पंचायत से मुखिया पद के आठ अभ्यर्थियों ने नामांकन दर्ज कराई है। वहीं प्रखंड के अलग अलग पंचायतों में पंच पद के लिए खाली पड़े तीनों सीटों पर एक एक नामांकन दर्ज हुई। वहीं खरहाटाड़ पंचायत में वार्ड सदस्य के लिए खाली पड़े सीटों पर एक अभ्यर्थी ने नामजदगी की पर्चा दाखिला किया है। वहीं बुधवार व गुरुवार को प्राप्त आवेदनों की स्कूटनी शुरू होगी। स्कूटनी के बाद ही वास्तविक उम्मीद्वारों का पता चलेगा।

रबीन्द्रनाथ टैगोर ने हमेशा मानवता को राष्ट्रवाद से ऊपर रखा: डॉ. अजीत कुशवाहा

डुमरांव। यूथ सहर वेलफेयर फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर की 162वीं जयंती के अवसर पर तीन दिनों तक चले जश्न-ए-टैगोर का मंगलवार को समापन हो गया। जश्न ए टैगोर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अथिति डुमराँव के विधायक डॉ. अजित सिंह कुशवाहा शामिल हुए। समापन कार्यक्रम के मुख्य अथिति विधायक डॉ. अजित सिंह कुशवाहा के द्वारा तीन दिनों तक चले इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में सफल विद्यार्थियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। डॉ. कुशवाहा ने छात्र एवं छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर ने हमेशा अपनी मातृभाषा का समर्थन किया। डॉ. कुशवाहा ने कहा कि टैगोर को ब्रिटिश सरकार ने 'सर' की उपाधि से नवाजा था लेकिन 1919 में हुए जलियांवाला बाग कांड के बाद टैगोर ने यह उपाधि अंग्रेजों को लौटा दी थी। ऐसा नहीं है कि पहले के लोग राष्ट्रवादी नहीं थे उन लोगों के अंदर भी देशप्रेम कूट कूट कर भरा था लेकिन हां यह जरूर है कि वह लोग राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम का दिखावा नहीं करते थे। टैगोर हमेशा मानवता को राष्ट्रवाद से ऊंचे स्थान पर रखते थे। गुरुदेव कहते थे , जब तक मैं जिंदा हूं मानवता के ऊपर देशभक्ति की जीत नहीं होने दूंगा। इस अवसर पर युथ सहर वेलफेयर फाउंडेशन के कला निदेशक अम्मार खान, कुंदन सिंह, संतोष सिंह, रमेश कुमार, तबरेज खान, जीशान खान, परवेज खान , दीपा तमांग, सूरज कुमार , सोनू कुमार, ज्योत्मा मिश्रा और बच्चों के अभिभावकों सहित स्कूल के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन तारिक अख्तर ने किया।

रामपुर मुखिया पति समेत पांच अन्य पर नामजद प्राथमिकी दर्ज

केसठ। प्रखंड के रामपुर गांव निवासी प्रमोद कुमार पाण्डेय ने रामपुर मुखिया पति समेत पांच अन्य पर गाली गलौज व मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए नावानगर थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित द्वारा नावानगर थाने में दिए आवेदन में लिखा है कि मैं अपने दरवाजे पर खड़ा था। तब तक अचानक हरि शंकर पाण्डेय, कुमार गौरव एवं पंकज पाण्डेय ने सुरेंद्र कुमार पाण्डेय के दालान में से निकल कर आए। वे लोग गाली गलौज कर मारपीट करने लगे साथ ही एक रूम का ताला तोड़कर शादी विवाह के लिए रखे गए बर्तन जबर्दस्ती ले जाने लगे। जिसकी कीमत लगभग पचास हजार है। रोके जाने पर मारपीट किए तथा देशी कट्टा से मुझे जान से मारने की धमकी देने लगे। वहीं सुरेंद्र कुमार पांडेय एवं विकास चंद्र पांडेय उर्फ बसंत पांडेय ने जान से मारने के लिए ललकार रहे थे। वे कह रहे थे कि मेरे घर में मुखिया है। जो होगा उसे देख लेंगे। किसी तरह जान बचा कर भागकर स्थानीय चौकीदार एवं सरपंच को जानकारी दी। वही प्रमोद कुमार पाण्डेय ने आवेदन में अपनी जान माल की सुरक्षा को लेकर स्थानीय प्रशासन से गुहार लगाई है और उचित करवाई करने की मांग की है।

सीएस ने पीएचसी का किया औचक निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

केसठ। जिले के नए सीएस डा सुरेश चंद्र सिन्हा स्वास्थ्य विभाग को सही तरीके से संचालित करने हेतु सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। केसठ प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ सुरेश चंद्र सिन्हा ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पीएचसी परिसर का विधिवत जांच किया। उन्होंने प्रसव की स्थिति एवं ओपीडी के मरीजों की स्थिति समेत अन्य गतिविधियों की जानकारी ली। इसके अलावा लैब रूम, स्टाफ रूम, दवा स्टोर समेत अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण जल्द शुरू कर दिया जाएगा। इसको लेकर उन्होंने पीएचसी को अनुसूचित मध्य विद्यालय के परिसर में कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शिफ्ट करने को लेकर निर्देश दिया। उन्होंने दवा के रख रखाव एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को लेकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया। इसके अलावा कई आवश्यक निर्देश भी दिया। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार, डॉ धर्मवीर सिंह, बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा, प्रभारी प्रधानाध्यपक लाल बाबू प्रसाद, विनोद कुमार, पप्पू, विक्की समेत अन्य लोग मौजूद थे।

ओडीएफ प्लस फेस टू में 42 गांव चयनित, प्रधानों के चेहरे पर आई मुस्कान

- सूची से बाहर हुए मरदह ब्लाक पंचायतों के प्रधानों में देखी गई नाराजगी

केटी न्यूज/गाजीपुर

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में ब्लाक के 42 गांवों का ओडीएफ प्लस फेस टू में चयनित होने पर ग्राम प्रधानों के चेहरे पर आई मुस्कान और जो गांव सूचि से बाहर रहे उनके ग्राम प्रधानों के चेहरे पर उदासी छाई है। स्थानीय विकास खंड परिसर में ग्राम प्रधानों व सचिवों की संयुक्त बैठक हुई। जिसमें ब्लाक के 42 ग्राम पंचायतों का स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण ओडीएफ प्लस के दूसरे चरण में चयनित होने के उपरांत वित्तीय वर्ष 2023-24 के कार्य योजना को लेकर

विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया।

बैठक को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने कहा कि किसी भी तरह चयनित ग्राम सभाएं 15 मई तक हर हाल में कार्य योजना तैयार कर लें। जिससे आगे की कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। केंद्र व राज्य सरकार का लक्ष्य है कि स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के दूसरे चरण में सभी प्रकार के कचरे का उचित प्रबंधन करना, जो न केवल हमारे गांवों को स्वच्छ बनाएगा, बल्कि ग्रामीण परिवारों के लिए आए पैदा करने और सतत विकास लक्ष्यों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए आजीविका के नए अवसर सृजित करने के अवसर भी पैदा करेगा। इसके अलावा पीने योग्य पानी की आपूर्ति के साथ, अधिक अपशिष्ट जल को उपचारित करने और पुनःउपयोग करने की आवश्यकता है और जीवन शैली में बदलाव और पैकेज्ड खाद्य उत्पादों के उपयोग के साथ, अधिक प्लास्टिक कचरे के उत्पन्न होने का खतरा ग्रामीण क्षेत्रों में बुरी तरह से सामने आ रहा है और इसे प्रभावी ढंग से प्रतिबंधित करने की आवश्यकता है।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण सफाई और सुरक्षित स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृण करता है और इस तरह अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है। आगे विभाग के जेई मनीष मिश्रा, जिला प्रेरक श्रीकांत पाण्डेय, प्रभारी एडीओ पंचायत नवीन सिंह ने भी मिशन को लेकर टिप्स दिए। इस मौके पर राधेश्याम सिंह यादव, चन्द्रभान सिंह, अरूण यादव, नन्हे गुप्ता, रमायन यादव, अरविन्द सिंह, सुदर्शन यादव, सवानंद सिंह, हरिलाल, अनील, अशोक सिंह, राजबहादुर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

असलहा का ट्रिगर दबा और दोस्त के सीने में जा लगी गोली, पार्टी में मची भगदड़

गाजीपुर। भुड़कुड़ा थाना क्षेत्र के जौहरपुर नसुल्लाह में दोस्तों के बीच पार्टी चल रही थी कि अचानक एक दोस्त ने मजाक में ही दूसरे दोस्त के सामने असलहा तान कर ट्रिगर दबा दिया और गोली दोस्त के सीने में जा लगी। इसके साथ ही पार्टी में भगदड़ मच गई और घायल को आनन-फानन में दोस्तों द्वारा निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां से फर्स्ट ट्रीटमेंट के बाद उसे ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। सूचना पाकर तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी गई। गोली कैसे चली? पार्टी में कौन-कौन लोग शामिल थे? घटना के पीछे का क्या रहस्य है? पुलिस बारीकी से जांच कर रही है। इस संबंध में खबर लिखे जाने तक पुलिस के हाथ कोई ठोस क्लू नहीं लगा था। इस संबंध में कोतवाल तारावती ने कहा कि फिलहाल मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है, जाँच पूरी होने पर जल्द ही खुलासा किया जाएगा। वहीं, सूत्रों का कहना है कि इलाके के नसुलहा गांव में जसवंत सिंह के घर पर पार्टी का आयोजन था। जिसमें उन्होंने अपने मित्र शेखपुर निवासी अनुपम सिंह व सिहोर यादव को भी बुलाया था। रात में खाना खाने के बाद एक अवैध असलहे को हाथ में लेकर देखने के लिए वहां आपस में गुत्थमगुत्था हो गए। असलहा लोडेड था। इस बीच एक युवक के हाथ से ट्रिगर दब गया। जिसके बाद निकली गोली सीधे सिहोर यादव के सीने में लग गई और वह लहूलुहान होकर गिर गया। जबकि दोनों काफी करीबी दोस्त हैं।

सत्यदेव डिग्री कॉलेज में शूरवीर महाराणा प्रताप की मनाई गई जयंती

गाजीपुर। सत्यदेव डिग्री कॉलेज के सभागार में शूरवीर महाराणा प्रताप की जन्म जयंती मनाई गई। इस मौके पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पारसनाथ राय प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाराणा प्रताप के चित्र पर सत्यदेव ग्रुप आफ कॉलेजेस के एमडी दशानन सिंह ने मुख्य अतिथि और विशिष्ठ अतिथियों के साथ पुष्पांजलि अर्पित किया। साथ ही गंधर्व म्यूजिक एकेडमी के निदेशक विद्यानिवास पांडेय ने स्वागत गीत द्वारा सभी का स्वागत किया। इसके बाद अतिथि और मुख्य अतिथि का अंगवस्त्रम से स्वागत किया गया। अपने विषय प्रवेश के संभाषण में सत्यदेव ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के प्रबंध निदेशक डॉ. सानंद सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन दर्शन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कठिन समय में भी महाराणा प्रताप ने अपना धैर्य नहीं खोया और नहीं अपने लक्ष्य से विचलित हुए। एक समय ऐसा आया, जब उनके परिवार के लोगों को घास की रोटी खाकर भी गुजर करना पड़ा। फिर भी वे अपने विरोधियों के सामने नतमस्तक नहीं हुए व अपने लक्ष्य पर अडिग रहे। आज उनके इस गुण को हम सभी को आत्मसात करने की जरूरत है। विपत्ति में धैर्य रखना और अपने लक्ष्य से विचलित ना होना ही सफलता का मूल मंत्र है। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथि आनंद मिश्रा ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप हिंदुस्तान की रक्षा के लिए प्राण प्रण से लगे रहे। हिंदुस्तान के गौरव के लिए उनके द्वारा किया गया कार्य हम सभी के लिए अनुकरणीय है। लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री राय ने कहा कि महाराणा प्रताप जैसे वीर बहादुर प्रतापी राजा हिंदुस्तान की रक्षा के लिए लगा रहा। वह अपने विरोधियों के सामने नतमस्तक नहीं हुए। आपातकाल में भी वह अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हुए। उनका यह गुण हम सभी के लिए महान प्रेरणा का स्रोत है और यह गुण शिरोधार्य करने योग्य है। संगोष्ठी के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामचंद्र दुबे ने सभी आगंतुकों का संगोष्ठी में आने के लिए आभार व्यक्त किया।

पीसीएस परीक्षा-2023 की तैयारियों की समीक्षा बैठक

बलिया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने पीसीएस परीक्षा-2023 को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट समय से अपने सेंटर पर पहुंच जाएंगे। प्रवेश द्वार पर चेकिंग की व्यवस्था होगी। अभ्यर्थियों को आधे घंटे पहले ही कमरे में प्रवेश दिया जाएगा। कोई भी अभ्यर्थी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर परीक्षा केंद्र पर न जाने पाए। यह परीक्षा जनपद में पहली बार हो रही है अतः बहुत ही सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। आयोग के निदेशों का सख्ती से पालन करें। जिन कमरों में परीक्षा होगी उसमें घड़ी अवश्य लगाएं क्योंकि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति अभ्यर्थियों को नहीं है। साथी अभ्यर्थियों को यह भी बता दें कि केवल काले बाल पेन का ही प्रयोग परीक्षा के दौरान किया जाना है। पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर ने भी कहा कि प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की जांच करने के लिए पुलिस विभाग की टीम भी मौजूद रहेगी। महिला अभ्यर्थियों के लिए स्कूल के स्टाफ के अलावा महिला पुलिस भी रहेगी। कोई भी अभ्यर्थी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर कक्षाओं में न जाने पाए । प्रश्न पत्र को अपने सेफ कस्टडी में रखें। प्रश्न पत्र तभी खोला जाए जब उसका समय हो। कोई भी बाहरी व्यक्ति अगर परीक्षा के दौरान दबाव डालता है तो उसकी सूचना गोपनीय रूप से पुलिस विभाग को दे। लोकल थाने का नंबर अपने पास रखें। ट्रैफिक को उस दिन खाली रखा जाएगा। सुरक्षा के लिए से पुलिस फोर्स मौजूद रहेगी।

नगरीय निकाय निर्वाचन 2023 के लिए मतदान दिवस पर अवकाश घोषित

नगर निकाय चुनाव : मतदान के दिन कल कारखाना खुले पाए गए तो नहीं रहेगी खैर

केटी न्यूज/बलिया

जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन अधिकारी रवीन्द्र कुमार ने बताया है कि प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन श्रम अनुभाग-3 लखनऊ द्वारा नगरीय निकाय निर्वाचन 2023 के लिए मतदान दिवस पर अवकाश घोषित किया गया है।

इसी क्रम में जनपद बलिया के विभिन्न प्रतिष्ठानों/कल कारखानों में नियोजित कर्मकार श्रमिकों को मताधिकार का प्रयोग करने के लिए ₹द्वितीय चरण₹ 11 मई 2023 (दिन बृहस्पतिवार) को सवैतनिक अवकाश रहेगा, जिससे प्रतिष्ठान में नियोजित श्रमिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। यदि कोई प्रतिष्ठान व कल कारखाने मतदान के दिन खुले पाये जाते है, तो सेवायोजक के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया है कि नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन- 2023 के निर्वाचन हेतु अधिसूचना जारी की गई है। इस निर्वाचन हेतु द्वितीय चरण का मतदान 11 मई को होना सुनिश्चित है। ऐसे में जनपद में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 की मतदान तिथि 11 मई दिन बृहस्पतिवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, देवेन्द्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि/रा)/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय) ने बताया कि नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 में मतदान दिनांक 11.05.2023 को पूर्वाहन 7.00 बजे से अपराह्न 6.00 बजे तक होना नियत है। अतएव जनपद बलिया के नगर पालिका परिषद/नगर पंचायतों के समस्त निर्वाचकों से अपील है कि वे अपने-अपने नियत मतदान स्थलों पर दिनांक 11 मई को सुबह 7.00 बजे से शाम 6.00 बजे के मध्य उपस्थित होकर मतदान अवश्य करें।

भोजपुरी स्टार निरहुआ के रोड शो में फंसी रही फायर ब्रिगेड की गाड़ी

बलिया। नगर में भोजपुरी अभिनेता व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ के रोड शो में फायर ब्रिगेड की गाड़ी आधे घंटे फंसी रही। फायर ब्रिगेड की गाड़ी रेवती के परमानंद का डेरा जा रही थी, जहां आग लगी थी, लेकिन वाहन जाम में फंसे होने के कारण वाहन समय से पहुंच नहीं सका। जिससे सब कुछ जलकर राख हो गया। निरहुआ के रोड शो में वाहन आधे घंटे तक फंसा रहा यह तो सत्य है, लेकिन फायर ब्रिगेड का वाहन परमानंद का डेरा ही जा रहा था, इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी संत कुमार मिठाईलाल के नेतृत्व में भोजपुरी सिनेस्टार व आजमगढ़ सांसद दिनेशलाल यादव निरहुआ नगर के नारायणी टॉकीज से रोड शो निकाला था। इस दौरान भाजपा के मंत्री व सांसद भी शामिल हुए थे। रोड शो अभी बिशुनीपुर के पास पहुंचा था कि चहूंओर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई, इसी रोड शो के दौरान फायर ब्रिगेड का एक वाहन फंस गया। जो कि चर्चा है कि रेवती के परमानंद का डेरा गांव में आग बुझाने जा रहा था, लेकिन फंसे होने के कारण वाहन समय से पहुंच नहीं सका, जिससे सब कुछ जलकर राख हो गया। उधर इस संबंध में जब अग्निशमन अधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने रोड शो में वाहन फसने की बात सुनते ही कुछ कहने से इंकार कर दिया, उनकी आवाज में सत्ता का डर साफ दिख रही थी।

16 लाख रुपए की लागत से स्थापित की जाएगी प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट

केटी न्यूज/बलिया

जनपद में एक अन्य गांव में भी 16 लाख की लागत से प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित की जाएगी। इसके लिए शासन की ओर से धनराशि जारी कर दी गई है। अब पंचायती राज विभाग की ओर से गांव के चयन की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिले के ग्रामीण इलाकों में यह दूसरी यूनिट होगी। इससे आसपास के गांवों के प्लास्टिक कचरे का निस्तारण किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण से गांवों को बचाने की कवायद जारी है। इसके लिए प्लास्टिक कचरे का निस्तारण अब

पंचायत स्तर पर करने की तैयारी चल रही है। प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत यह किया जा रहा है। यूनिट के निर्माण की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायत को दी गई है। इस यूनिट पर आसपास के गांवों के प्लास्टिक कचरे को मंगाकर उसकी प्रोसेसिंग की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि पंचायत स्तर पर प्लास्टिक एकत्र करने के लिए जो संग्रहण केंद्र बने हैं वहां से कचरे को प्लास्टिक प्रोसेसिंग यूनिट लाया जाएगा। इसमें सबसे अधिक कचरा प्लास्टिक बोतल के अलावा चिप्स कुरकुरे आदि के रैपर होंगे जिसे लोग संगहण केंद्रों में रखेंगे। प्रोसेसिंग से तैयार सामग्री का उपयोग सड़क निर्माण में होगा। सड़क बनाने वाली एजेंसियों को बिक्री की जाएगी। इसके लिए जिले का पहला प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट बेरुआरबारी ब्लॉक के सुखपुरा गांव में स्थापित करने के लिए कार्य शुरू हो चुका है। शासन की ओर से जिले के लिए दूसरी यूनिट स्थापित करने के लिए भी 16 लाख की धनराशि कर दी गई है। गया है। पंचायती राज विभाग की ओर से इसके लिए गांव के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

चुनाव प्रचार में सिक्कों से तौले गए परिवहन मंत्री

केटी न्यूज/बलिया

नगर निकाय चुनाव को लेकर आयोजित जनसंपर्क के दौरान जगदीशपुर तिराहा स्थित व्यापारी व भाजपा नेता मोहनीश कुमार गुप्ता ने अपने आवास पर सिक्कों से तौल दिया। मोहनीश कुमार गुप्ता मोनू ने बताया कि हमारी इच्छा थी कि नगर विधायक दयाशंकर सिंह जब प्रदेश सरकार में मंत्री बने तो हम अपने आवास पर सिक्कों से तौल करेंगे। नगर निकाय चुनाव में सभी पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने जीत दर्ज करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पदाधिकारियों और कार्यकर्ता नगर में डोर-टू-डोर लोगों से संपर्क स्थापित कर अपने प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे है।

इसी क्रम में भाजपा प्रत्याशी संतकुमार गुप्ता उर्फ मिठाई लाल के समर्थन में रविवार की शाम नगर के जगदीशपुर में नगर विधायक व प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने डोर- टू-डोर जन संपर्क कर रहे थे। जनसंपर्क के दौरान जगदीशपुर तिराहा स्थित व्यापारी व भाजपा नेता मोहनीश कुमार गुप्ता ने अपने आवास पर

सिक्कों से तौल दिया। मोहनीश कुमार गुप्ता मोनू ने बताया कि हमारी इच्छा थी कि नगर विधायक दयाशंकर सिंह जब प्रदेश सरकार में मंत्री बने तो हम अपने आवास पर सिक्कों से तौल करेंगे। इस दौरान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि हमारे तौल का जितना भी सिक्का है उसे हनुमान मंदिर पर ही खर्च किया जाए। वर्तमान में आदर्श आचार संहिता कायम है।

ट्रक चालक को आई झपकी, गश्त कर रही पुलिस जीप को ही रौंदा

गाजीपुर। गाजीपुर से मऊ की तरफ आ रही डायल 112 पुलिस जीप और विपरीत दिशा से जा रहा ट्रक ट्रेलर में जोरदार टक्कर से पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद पुलिस विभाग में पूरी रात हड़कंप मचा रहा। थाना क्षेत्र के करदह कैथवली चट्टी स्थित कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय के सामने रात्रि में 12:30 बजे के लगभग वाराणसी -गोरखपुर फोरलेन मार्ग पर टेलर वाहन एवं 112 पुलिस जीप की आमने सामने भिड़ंत हो गई। जिस हादसे में टेलर ट्रक की टक्कर में हाइ-वे पर लगी रेलिंग को तोड़ते हुए सड़क पर खड़ी 112 नम्बर जीप को जोरदार टक्कर के साथ घसीटते हुए सर्विस रोड पर ले जाकर पलट दिया। संयोग अच्छा रहा की कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। 112 पुलिस जीप चालक अरिनाश चन्द्र कुशवाहा, पुलिस कर्मी सुनील कुमार व जीप के पास बाहर खड़े विजय प्रताप सिंह घायल हो गए। तीनो घायलों का ग्रामीणों की मदद से उपचार स्थानीय चिकित्सक के यहां कराया गया। उधर गंभीर रूप से घायल सुनील कुमार को उपचार के लिए मऊ स्थित जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज चल रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र ने घायल पुलिस कर्मियों को उपचार के लिए भेजने के साथ ही टेलर को कब्जे में लेते हुए मिजार्पुर जनपद निवासी चालक शिवकुमार को हिरासत में ले लिया है। बताया कि चालक द्वारा गहरी झपकी आने के कारण हादसा हुआ है।

दुष्कर्म के मामले में आरोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

गाजीपुर। जिला जज संजय कुमार की अदालत में एक मुखबधिर पीड़िता के साथ दुष्कर्म के मामले में जमानिया के देवाबैरनपुर निवासी रमेश कुमार को आजीवन कारावास के साथ ही 11000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। बताते चलें कि देवाबैरनपुर निवासी ओमप्रकाश उर्फ खिचडू 23 अप्रैल 2019 को इस आशय का तहरीर दिया था कि उसके गांव के मंनचले किस्म का लड़का रमेश कुमार आधी रात को उसके घर में घुसकर जेवरातों को चुरा लिया और अकेले सोई हुई मुखबधिर लड़की के साथ दुष्कर्म किया। लड़की के रोने की आवाज सुनकर घर की महिलाएं आई और आरोपी को मौके से पकड़ लिया। सूचना पर आरोपी के विरुद्ध थाना जमानिया में मुकदमा दर्ज हुआ और पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। विवेचना उपरांत आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में पुलिस ने आरोप पत्र पेश किया है। इस दौरान विचारण अभियोजन की तरफ से जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर राय ने कुल नौ गवाहों को पेश किया। सभी गवाहों ने अपना अपना बयान न्यायालय में दर्ज कराया। सोमवार को दोनों तरफ की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने उपरोक्त सजा सुनाते हुए आरोपी को जेल भेज दिया।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के माध्यम से चलेगा विशेष अभियान

अभियान: जनपद में 15 मई से घर-घर खोजे जाएंगे क्षय के सक्रिय रोगी

केटी न्यूज/बलिया

प्रधानमंत्री ने देश से क्षय उन्मूलन का लक्ष्य वर्ष 2025 निर्धारित किया है। सरकार इस लक्ष्य को समय से प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में जिले के समस्त आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 15 मई से 21 कार्य दिवसों तक विशेष अभियान चलाकर क्षय रोगी खोजे जाएंगे। इस संबंध में शासन की ओर से संबंधित अधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आनन्द कुमार ने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर क्षय रोगियों के चिन्हीकरण, जांच, उपचार, टीबी के मरीज को पौष्टिक आहार मिल सके, इसके लिए उन्हें प्रतिमाह निक्षय पोषण योजना

के तहत उपचार के दौरान 500 रुपये पोषण भत्ते के रूप में सीधे मरीज के खाते में भेजे जाते हैं। टीबी मरीजों की बेहतर काउंसलिंग के साथ उन्हें मनो सामाजिक सहयोग प्रदान करना भी बेहद महत्वपूर्ण है। जनपद में 280 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर क्रियाशील हैं` इस अभियान में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की भूमिका अहम होगी। अभियान में आशा कार्यकर्ता और एएनएम का सहयोग लिया जाएगा।

डॉ आनन्द ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में हाई रिस्क एरिया में चलाया जाएगा। ऐसे क्षेत्र जो हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से दूर हों और जहां पिछले दो सालों में अधिक टीबी रोगी या कोविड रोगी चिन्हित हुए हों। प्रत्येक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर हर सप्ताह तीन-तीन शिविर लगाए जाएंगे। शिविर से पहले आशा कार्यकर्ता और एएनएम अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर क्षय रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों को चिन्हित करेगी। आशा कार्यकर्ता और एएनएम शिविर वाले दिन चिन्हित व्यक्तियों को शिविर पर लाकर जहां पर उनके बलगम को एकत्र कर जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच पॉजीटिव आने पर तुरंत ही मरीज का नोटिफिकेशन कर इलाज शुरू कर दिया जाएगा। वहीं, जिला कार्यक्रम समन्वयक आशीष सिंह ने बताया कि जिले में वर्तमान में 3261 टीबी मरीजों का इलाज चल रहा है। इसमें से 88 एमडीआर टीबी के रोगी हैं। जनवरी 2022 से अब तक 6696 टीबी रोगी नोटिफाई किये जा चुके हैं। वर्ष 2018 से अभी तक निक्षय पोषण योजना में 14087 क्षय रोगियों को करीब 3.08 करोड़ रुपए का भुगतान डीबीटी के जरिए किया जा चुका है।

क्षय रोग के लक्षण :

- दो हफ्ते से ज्यादा खांसी आना
- शाम के समय बुखार आना
- लगातार वजन में कमी आना
- सीने में दर्द होना, थकान लगना
- रात में पसीना आना